मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

# MVS–012

## वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

## (पी.जी.डी.वी.एस.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## एम.वी.एस.–012 : ग्रहपिण्ड विचार एवं ग्रहारम्भ

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *यह प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### भाग—क

**निर्देश :** किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

1. प्रशस्त एवं निषिद्ध भूमि लक्षणों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
2. भूमि परीक्षण की विविध विधियों पर निबन्ध लिखिए।
3. तिथि–वार–नक्षत्र–योग–करण आदि पाँचों अंकों पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. पिण्ड साधन सहित अंश, द्रव्यादि के विचार पर निबन्ध लिखिए।

5. वास्तुपद विचार पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

6. गृहारम्भ विधि तथा गृहारम्भ मुहूर्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।

## भाग—ख

**निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. गृहदशा ज्ञानविधि को प्रदर्शित कीजिए।

8. प्लवत्व के अनुसार शुभाशुभ भूमि को प्रदर्शित कीजिए।

9. शल्योद्धार विधि का उल्लेख कीजिए।

10. इष्ट-आय का उल्लेख कीजिए।

11. राजगृह एवं सेनापति गृहप्रमाण का उल्लेख कीजिए।

12. एकाशीति पद के अनुसार द्वार का निर्धारण कीजिए।

13. गृहनिर्माण में राहुमुख-पुच्छ आदि का विचार करते हुए खातदिशा का निर्धारण कीजिए।

14. परहस्तगत गृहयोगों पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×